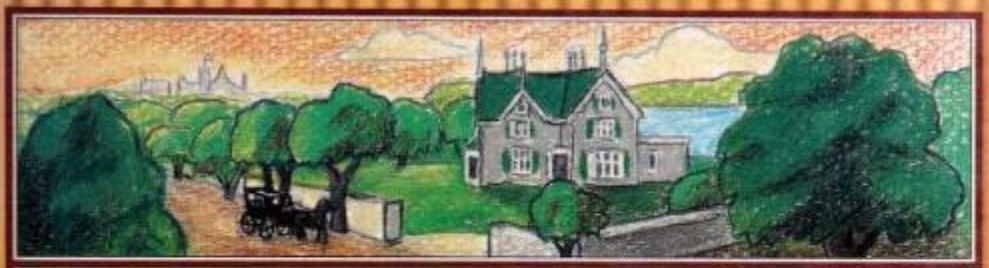

बाबू

सर जॉन ए. मैकडोनाल्ड की बेटी की कहानी

आइंस्ली मैनसन, चित्र : फ्राई बिल वैंड

बाबू

सर जॉन ए. मैकडोनाल्ड की बेटी की कहानी

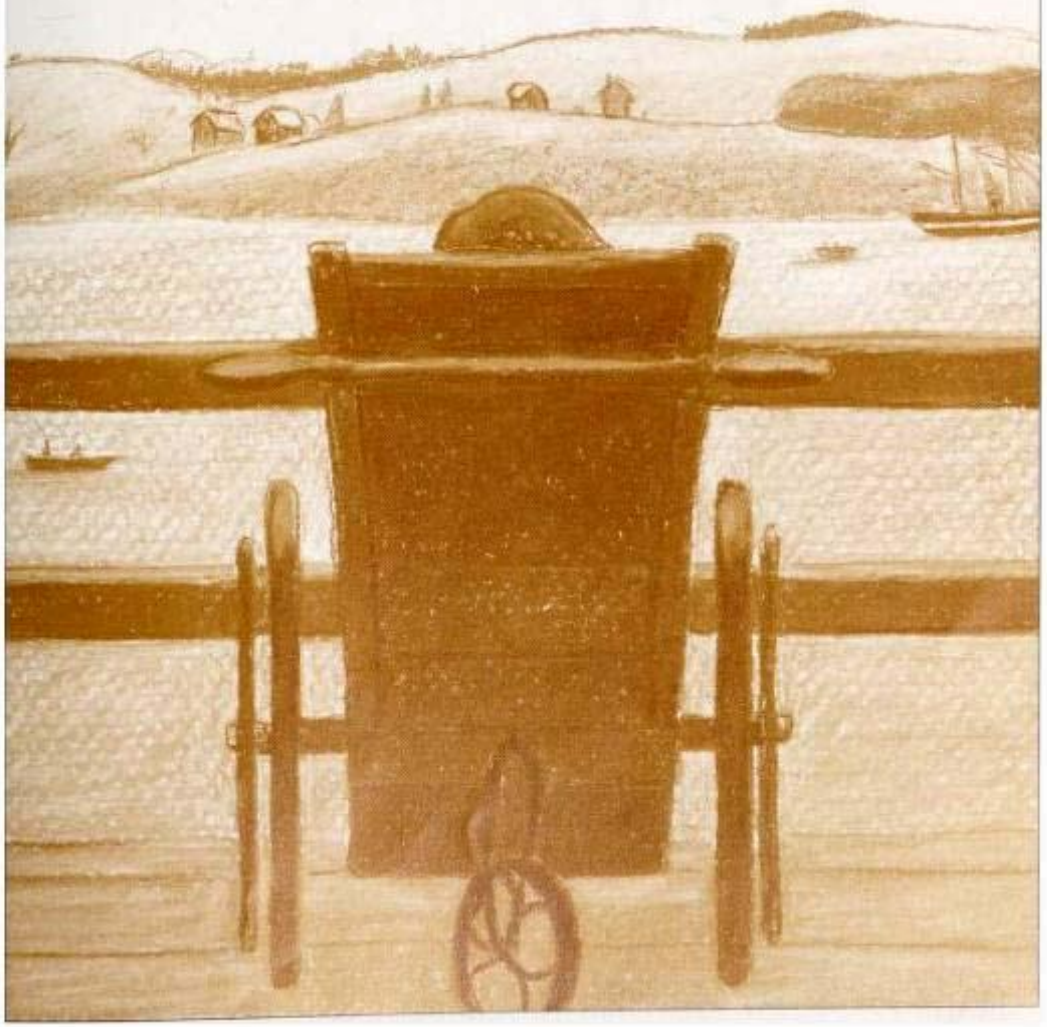

सर जॉन ए. मैकडोनाल्ड अन्य पिताओं की तरह नहीं थे. उनकी बेटी मैरी यह जानती थी. पूरी दुनिया में केवल एक पिता ही कनाडा के पहले प्रधानमंत्री थे.

और मैरी अन्य बेटियों की तरह नहीं थी. वो यह भी जानती थी कि वो कभी चल नहीं पाएगी. उसे बोलने में कठिनाई होती थी, और उसे अपने हाथों का उपयोग करने में भी कठिनाई होती थी.

मैरी मार्गरेट थियोडोरा मैकडोनाल्ड का जन्म मस्तिष्क की चोट के साथ हुआ था. मैरी के पिता और माँ ने आशा और प्रार्थना की कि किसी दिन वो भी अन्य बच्चों की तरह दौड़ने और खेलने में सक्षम होगी, लेकिन जब उन्हें एहसास हुआ कि ऐसा कभी नहीं होगा, तो उन्होंने बेटी के प्रत्येक छोटे सुधार पर खुश होना सीख लिया.

मैरी एक सौम्य, विचारशील व्यक्ति थीं, और हालांकि उन्होंने अपना पूरा जीवन व्हीलचेयर में बिताया, लेकिन उन्होंने उसकी कभी शिकायत नहीं की. उनकी माँ, एग्नेस मैकडोनाल्ड ने एक बार एक दोस्त को लिखा, "उसके पास अपने पिता की कृपा का बहुत आकर्षण है और हर कोई उससे प्यार करता है."

मैरी सोचती थी कि उसके पापा अद्भुत हैं. प्रत्येक दिन के अंत में वो अपनी व्हीलचेयर को खिड़की के ठीक समकोण पर रखती थी ताकि वो संसद से घर लाने वाली पिता की गाड़ी को देख सके.

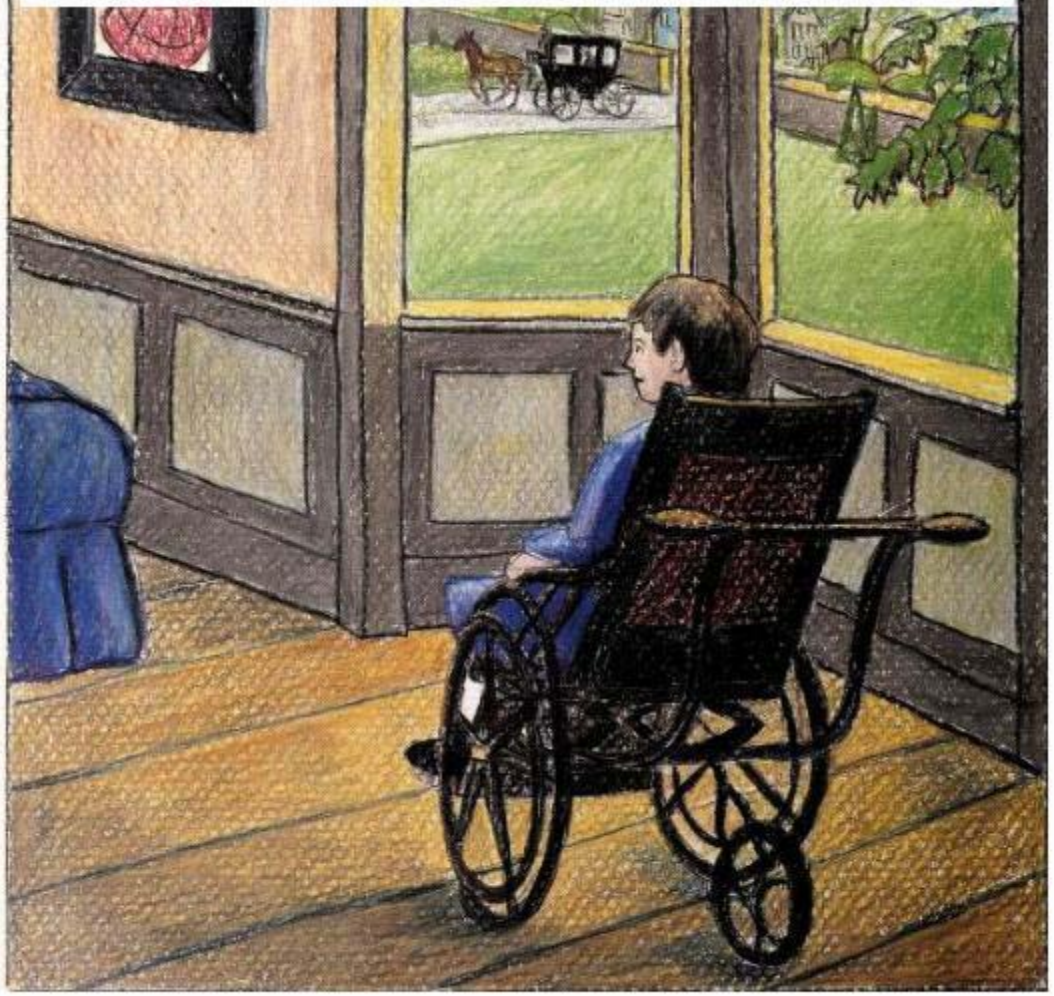

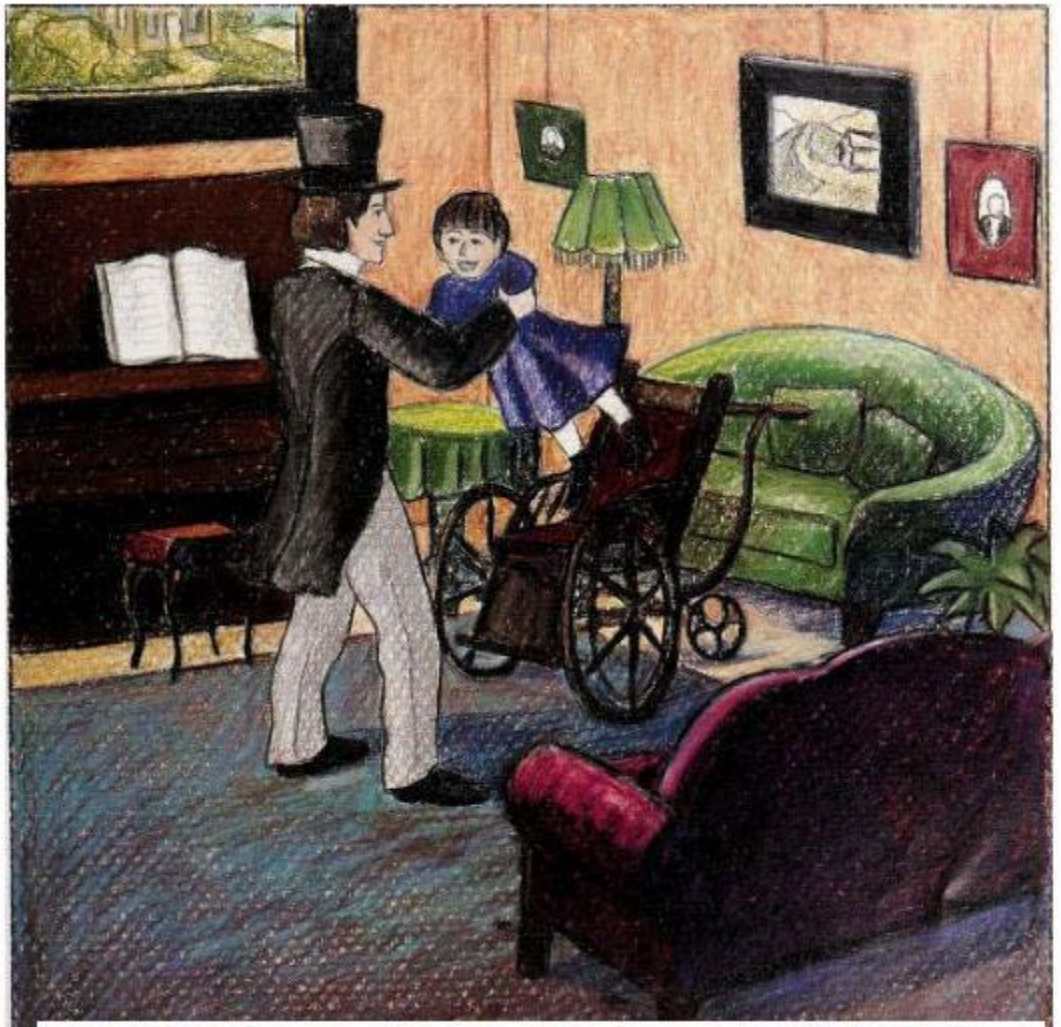

आमतौर पर सर जॉन दरवाजे में घुसते थे और अपनी टोपी को हटाए बिना ही अपनी बेटी को गोद में उठाकर उसे एक कहानी सुनाते थे.

लेकिन कनाडा का प्रधान मंत्री होना कोई आसान काम नहीं था, और कभी-कभी वे देर से घर आते थे. वे थके होते थे और उन्हें आराम की जरूरत होती थी. उस समय, मैरी धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करती थी. तब वो आग के सामने बैठकर गर्मी सोखती थी और दुनिया की चिंताओं को भूलने की कोशिश करती थी.

आम तौर पर उन्हें बातचीत करने और मजाक करने में ज्यादा समय नहीं लगता था. वो मूर्खतापूर्ण तरीके से मैरी को हंसाते हुए, ड्राइंग-रूम के फर्श पर भी रेंगते थे.

मैरी को गर्व होता जब उसके पिता ने उसके सिर पर हाथ रखकर कहते, "तुम्हारे बाल घुंघराले हैं, मैरी," या उसकी नाक पर उंगली रखकर मजाक में कहते, "बाबू, मुझे लगता है कि तुम्हें मेरी नाक विरासत में मिली है!" (सिर्फ उसके पापा ही उसे "बाबू" बुलाते थे!)

प्रत्येक सुबह मैरी को उसके माता-पिता के कमरे में ले जाया जाता था. माता-पिता उस समय बिस्तर में होते थे. यह उसके लिए दिन का पसंदीदा समय था. वो अपने दिलासा देने वाले पापा के पास की गर्मी में खुश होकर लेट जाती थी. अपनी व्यस्त दिनचर्या शुरू करने से पहले पापा हमेशा उसे एक कहानी सुनते थे.

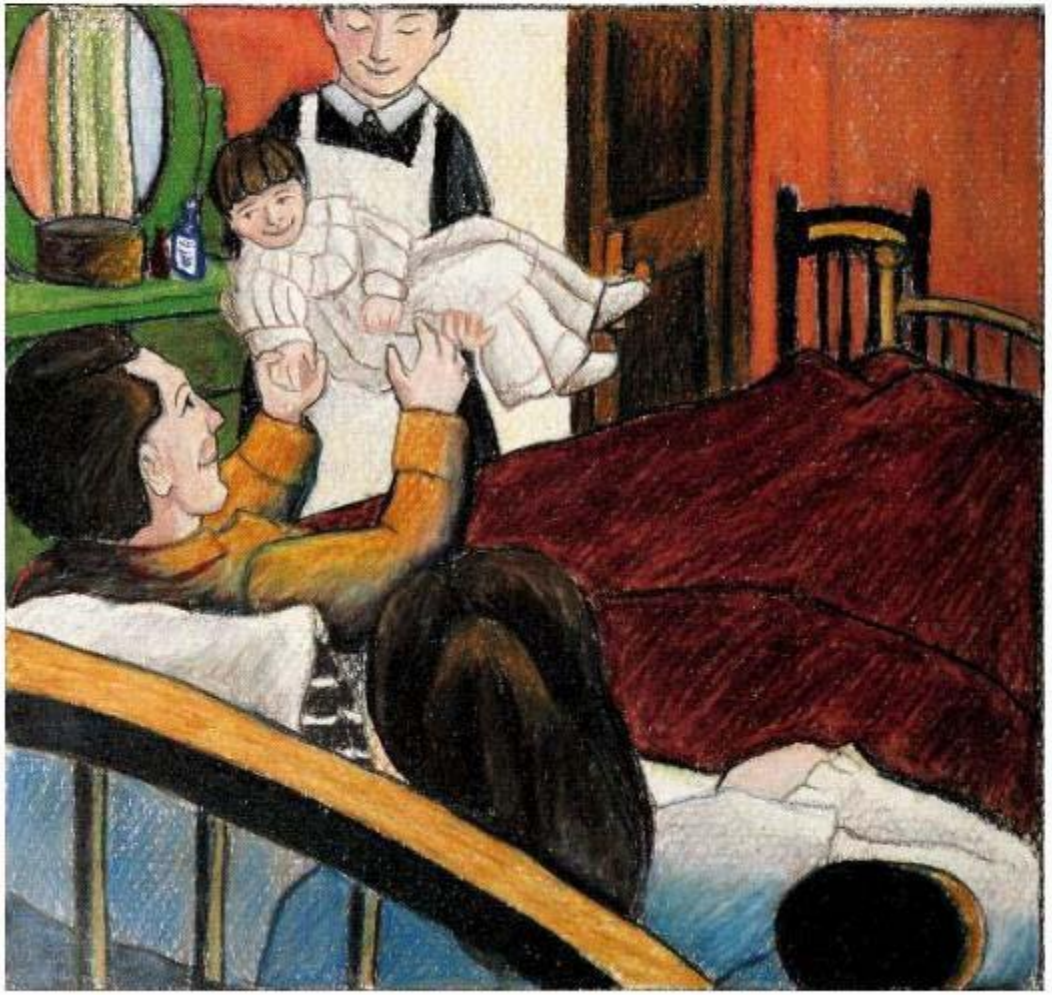

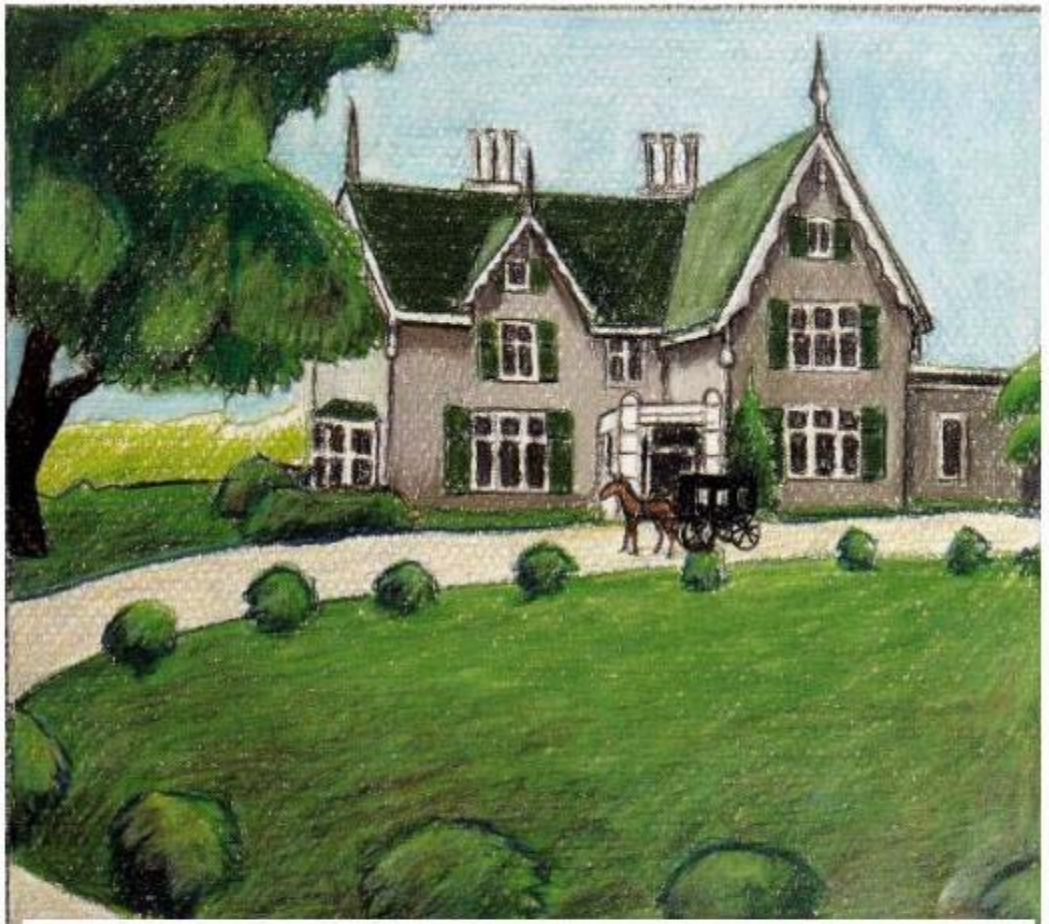

मैकडॉनल्ड्स ओटावा में एक बड़े पत्थर के बने घर में रहते थे जिसका नाम "अर्न्सक्लिफ" था. वहां महत्वपूर्ण लोग अक्सर रात के खाने के लिए आते थे, और मैरी बड़े ध्यान से उनकी बातचीत सुनती थी.

उसे विशेष रूप से महारानी विक्टोरिया के बारे में सुनना पसंद था जो न केवल इंग्लैंड की महारानी थीं बल्कि कनाडा डोमिनियन की भी रानी थीं.

मैरी के जन्म से दो साल पहले महारानी विक्टोरिया ने उसके पापा को नाइट की उपाधि से नवाज़ा था. कनाडा के जन्मदिन पर 1 जुलाई, 1867, वह सर जॉन ए. मैकडोनाल्ड बन गए थे.

अन्र्सक्लिफ में राजनीतिक मुद्दों पर नियमित रूप से चर्चा और बहस होती थी. मैरी को लगा कि कनाडा सरकार की राजनीति को समझना आसान नहीं था!

उसकी माँ ने एक बार कहा था, "यहाँ ... इस घर में ... माहौल इतना भयानक राजनीतिक है कि कभी-कभी मुझे लगता है कि खाने की मेज़ पर भी मक्खियाँ राजनीती पर चर्चा करती हैं."

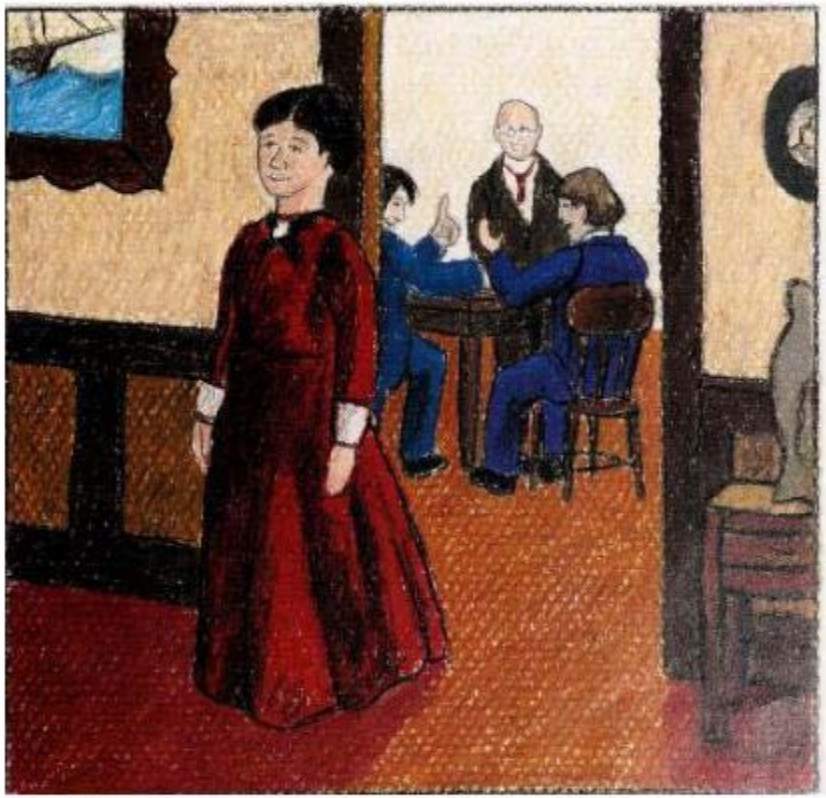

जब संसद सत्र चल रहा होता था तब लेडी मैकडोनाल्ड अक्सर हाउस ऑफ कॉमन्स में जाती थीं. उन्होंने और सर जॉन ने सांकेतिक भाषा सीखी थी ताकि वे गैलरी में से एक-दूसरे को गुप्त संदेश भेज सकें!

एक बार लेडी मैकडोनाल्ड मैरी को भी अपने साथ ले गईं. मैरी को तब बड़ा गर्व हुआ जब उसने अपने ऊंचे प्रतिष्ठित पिता को बोलते हुए सुना. मैरी को पिता का भाषण समझने में कोई कठिनाई नहीं हुई. उनका भाषण छोटी और मजेदार कहानियों से भरपूर था जो मैरी को सुनाना पसंद था. उनके भाषण हमेशा छोटे होते थे, लेकिन मैरी को किसी ने बताया था कि एक बार उनके पिता ने सदन में बिना रुके पांच घंटे भाषण दिया था! लॉर्ड डफरिन, जो उस समय कनाडा के गवर्नर जनरल थे, ने कहा कि मैकडोनाल्ड ने, "अपने उस जबरदस्त भाषण के साथ सदन जान फूंक दी."

सर जॉन को अक्सर अपने बाबू से दूर रहना पड़ता था. वो अक्सर अन्य कनाडाई प्रांतों का दौरा करते थे, और कई बार उन्हें इंग्लैंड की महारानी से मिलने के लिए जहाज से इंग्लैंड तक जाना होता था. उस समय मैरी को अपने पिता की बहुत याद आती थी. लेकिन जब भी बाप-बेटी अलग होते थे तो वे एक-दूसरे को ख़त लिखते थे.

एक गर्मियों में मैरी घर से दूर थी. वो और उसकी दादी क्यूबेक के रिवेरे-डु-लूप में थे. तब सर जॉन ने उन्हें अर्न्सक्लिफ से यह पत्र लिखा :

मेरी प्यारी मैरी,

तुम्हें पता होना चाहिए कि मैं और तुम्हारी दयालु माँ, तुम्हें और दादी को फिर से देखने के लिए बहुत उत्सुक हूँ. हमने अभी-अभी तुम्हारे कमरे में एक नया कालीन बिछाया है और तुम्हारे वापिस आने की सब तैयारी की है.

बगीचा अभी प्यारा लग रहा है. वो सुंदर फूलों से भरा है और मुझे आशा है कि तुम फूलों के मुरझाने से पहले उन्हें देख पाओगी.

बगीचे में कुछ अच्छे भी खरबूजे हैं. तुम उन्हें रात के खाने के लिए चुनना और मुर्गियों को उनके छिलके खिलाना. तुम्हें याद होगा कि तुम्हारी माँ ने मेरे बाल काटे थे और मुझे एक गधे जैसा बना दिया था. मेरे बाल अब फिर से काफी लंबे हो गए हैं. जब तुम घर आओ तो तुम मेरे बालों को ज्यादा जोर से मत खींचना.

जब तुम सुबह पापा के बिस्तर पर आती हो और उन्हें गले लगाती हो तब मैं तुम्हें कुछ नई कहानियाँ ज़रूर सुनाऊंगा.

प्रिय अच्छा, दादी को मेरा प्यार और उन्हें मेरी तरफ से उन्हें एक पुच्ची देना ... अब मेरी प्रिय अलविदा और अपने प्यारे पिताजी के लिए जल्द ही घर वापिस लौटना.

जॉन ए.

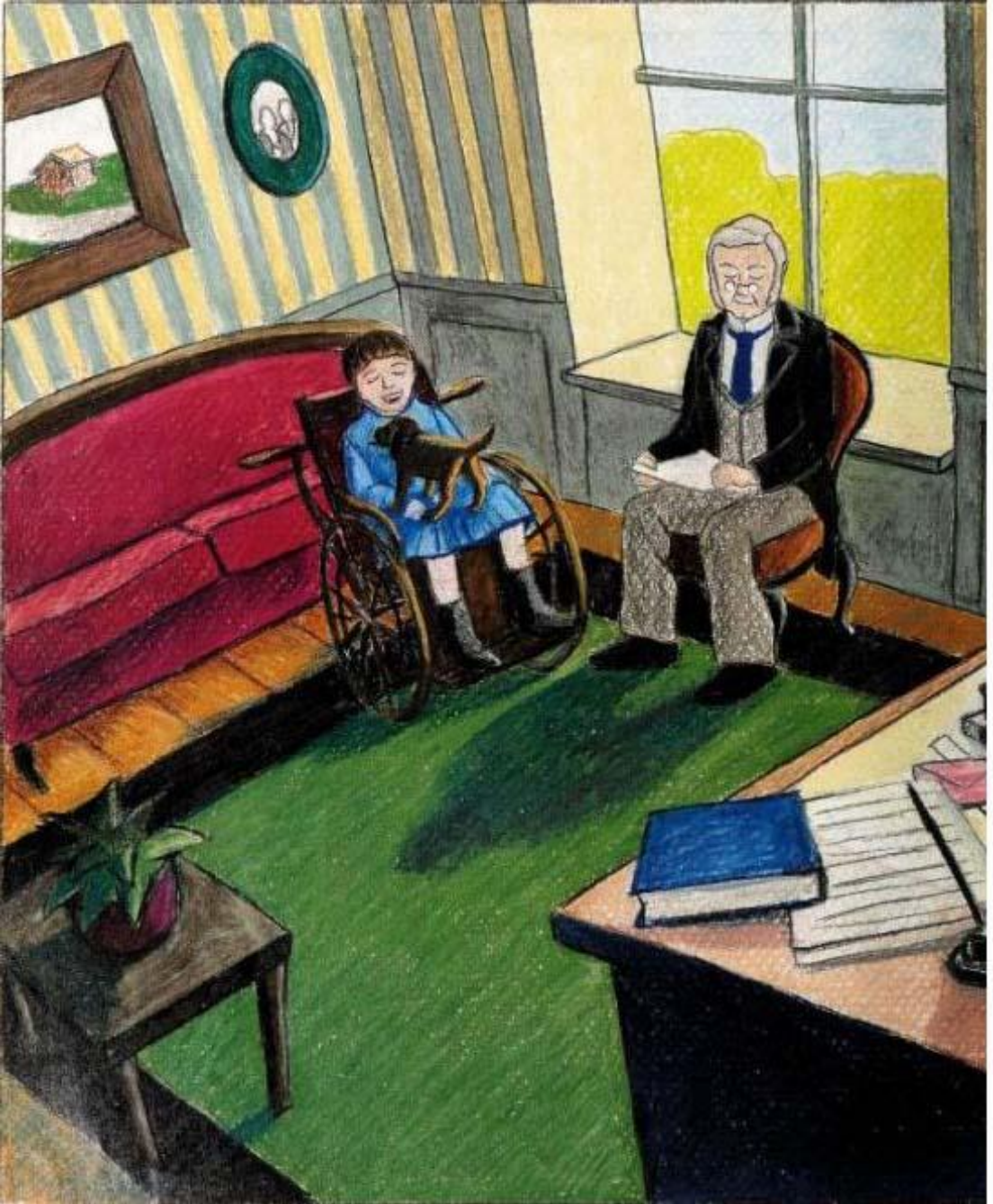

मैरी को अपने पापा के पत्र बहुत पसंद थे. पापा की चिट्ठियों से मैरी को लगता था कि वो उससे बहुत दूर नहीं हैं. वो हमेशा उनका तुरंत जवाब देती थी. लेकिन चूँकि मैरी के हाथ ठीक से काम नहीं करते थे, इसलिए उसे अपने पत्र लिखवाने पड़ते थे :

मेरे प्यारे पिताजी,

मैं चाचाजी के कमरे में बैठकर आपको पत्र लिख रही हूं. आशा करती हूँ कि आप अच्छे होंगे. आपकी पत्नी एग्नेस आपको प्यार भेजती हैं. उन्होंने मुझ से ऐसा लिखने के लिए नहीं कहा है, लेकिन अगर उन्हें पता होता कि मैं पत्र लिख रही हूँ तो वो यह ज़रूर कहतीं.

मेरे पास एक छोटा कुत्ता है जो चाचाजी ने मुझे दिया है. प्रिय पिताजी, आप कब वापस आ रहे हैं? मुझे आशा है कि आप जल्द ही वापस आएंगे क्योंकि एग्नेस आपको बहुत याद करती हैं और मुझसे अक्सर कहती हैं "काश मेरे पति वापस आ जाते."

आपके बिना घर बहुत नीरस और अकेला लगता है और मुझे अपनी शाम की कहानियाँ बहुत याद आती हैं.

...मुझे आशा है कि आप वहां अच्छा समय बिता रहे होंगे. एग्नेस सोमवार को कहीं जा रही हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि वो कहां जा रही हैं. शायद वो आपसे मिलने जा रही हों प्रिय पिताजी. मुझे आशा है कि आप अच्छे होंगे.. मेरा विश्वास करें,

आपका स्नेही बाबू और बेटी.

मैरी मैकडोनाल्ड

ओह! मैंने कितनी बड़ी भूल की. मैं अपनी बूढ़ी मुर्गी के बारे में तो लिखना भूल गई. सारा हमेशा की तरह स्वस्थ और खुशमिजाज है. बस इतना ही.

पत्र लिखते समय, मैरी के दिमाग में हमेशा शब्द होते थे, लेकिन कभी-कभी उसे पत्र लिखते समय खुद को समझने में मुश्किल होती थी. वो चाहती थी कि कोई ऐसा तरीका हो जिससे वो अपने शब्दों को कागज पर उतार सके.

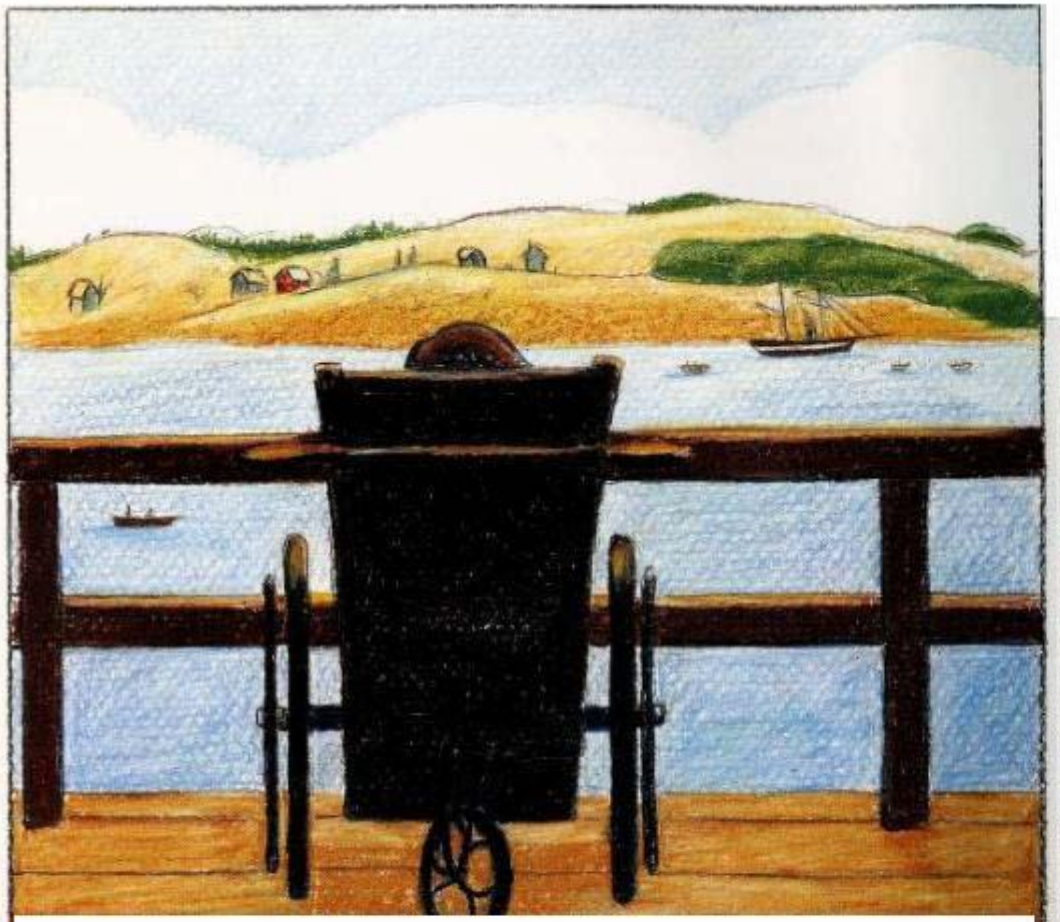

कभी-कभी मैरी अपनी व्हीलचेयर में अन्र्सक्लिफ के चौड़े डेक पर बैठकर ओटावा नदी को निहारती थी. वो खुद को याद दिलाती थी कि उसे कभी निराश नहीं होना चाहिए. वह अपनी गोद में पड़े "फेल्ट" के काम को उठा लेती और उसे पूरा करने की मेहनत करती. धीरे-धीरे उसे अपने दाहिने हाथ का उपयोग करना आसान लगने लगा, हालाँकि उसके लिए लिखना अभी भी असंभव था.

मैरी के दोस्त उसके लिए बहुत मायने रखते थे. उसे हर तरह के सामाजिक समारोहों में आमंत्रित किया जाता था. वो अक्सर कनाडा के गवर्नर जनरल के घर, रिड्यू हॉल में एक मेहमान जैसे जाती थी. डफरिन के पांच बच्चे अक्सर नाटक आयोजित करते हैं. मैरी नाटकों में भाग लेने में असमर्थ थीं, लेकिन वो हमेशा एक उत्साही दर्शक होती थी.

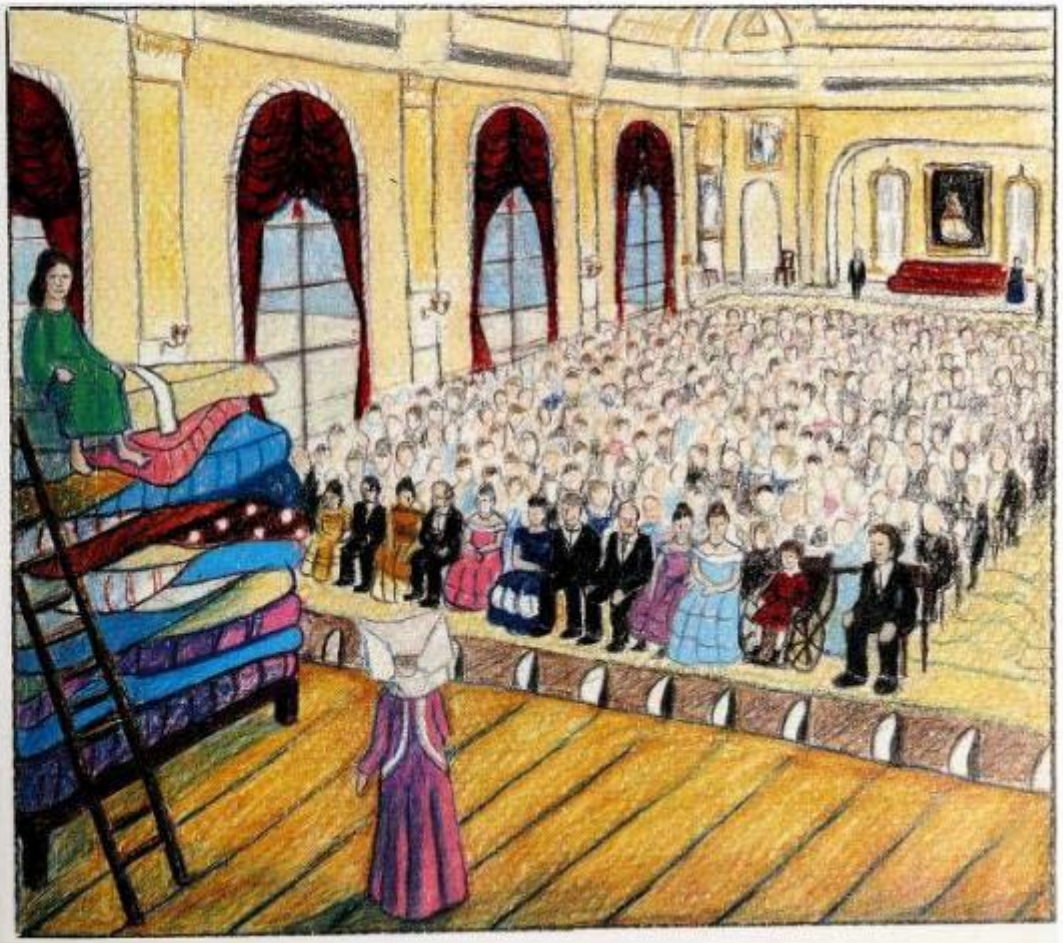

एक बार उसे रिड्यू हॉल में आयोजित एक चैरिटी बाजार में सहायता करने के लिए बुलाया गया. वहां पर मैरी और नेल्ली डफरिन ने एक स्टाल पर एक साथ फूल बेचे.

मैरी ने पार्टियों और नृत्यों में भी भाग लिया. एक पार्टी में प्रतिष्ठित आविष्कारक और वैज्ञानिक सैंडफोर्ड फ्लेमिंग भी थे. वो कनाडा के अग्रणी रेलवे सर्वेक्षक और निर्माण इंजीनियर थे और मैरी के पसंदीदा वयस्क मित्रों में से एक थे. एक पार्टी में, मिस्टर फ्लेमिंग ने मैरी का अभिवादन किया और उसे नृत्य करने के लिए आमंत्रित किया! मैरी खुशी से हँस पड़ी क्योंकि मिस्टर फ्लेमिंग ने उसे अपनी मजबूत बाहों में सीधा रखा. फिर मैरी अन्य बच्चों के साथ एक रिंग डांस में शामिल हुई.

मैरी के लिए संगीत खास मायने रखता था. वो एक चूहे की तरह शांत बैठे घंटों पियानो गायन या संगीत कार्यक्रम सुनती थीं. जब कनाडा में जन्मी प्रसिद्ध गायिका, मैडम एम्मा अल्बानी, शहर आईं, तो वह न केवल अन्र्सक्लिफ में रहीं, बल्कि उन्होंने विशेष रूप से मैरी के लिए उनके जन्मदिन पर गाया!

मैरी को जन्मदिन पसंद थे - सबके जन्मदिन, सिर्फ अपना ही नहीं. वो अपने दोस्तों के जन्मदिन की पार्टियों में शामिल होती थी और वे उसकी पार्टी में शामिल होते थे.

किशोरावस्था में मैरी के माता-पिता के उसके लिए जन्मदिन पर एक पार्टी दी थी. जब सर जॉन ने देखा कि मैरी वहां कितना आनंद ले रही थी तब उन्होंने: खुद, ऑर्केस्ट्रा से बजाते रहने और मेहमानों को अधिक समय तक रुकने का अनुरोध किया. जब रंग-बिरंगे डांसर फिर से फर्श पर चक्कर लगाने लगे तो उन्होंने अपनी बेटी के कान में फुसफुसाया, "देखो, बाबू, वे तुम्हारी कुछ देर के लिए और संगत चाहते हैं और नाचना चाहते हैं."

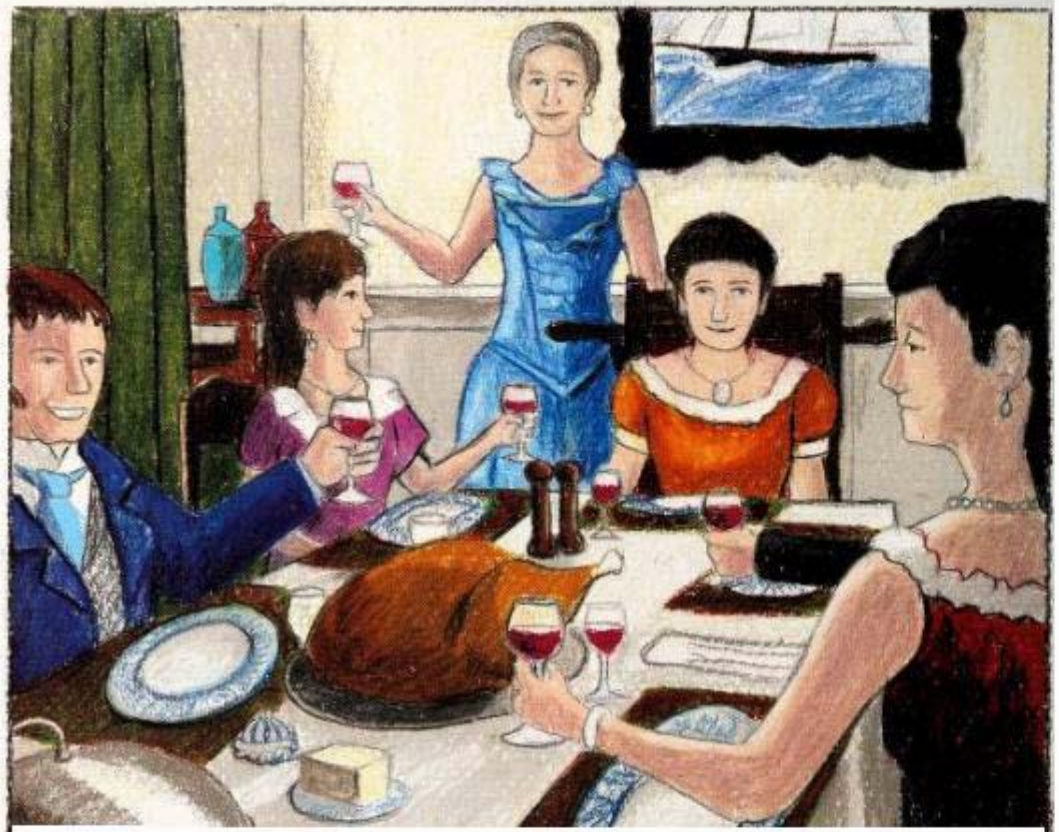

एक बार जब मैरी के पिताजी खुद अपने जन्मदिन के लिए घर नहीं आ सके, तो भी मैरी ने वैसा ही जश्न मनाया. उसने पिता के सम्मान में एक पार्टी आयोजित की और अस्सी से अधिक मेहमान उसके प्रसिद्ध पिता की दावत में आए.

"यह हमारे पहले प्रधान मंत्री सर जॉन के लिए है!"

"यह सर जॉन के लिए, जो ऐसे सपने देखते हैं जो सच होते हैं!"

"यह हमारे राष्ट्र के लिए जहाँ समुद्र हैं और जो लोहे की रेलों से जुड़ा हुआ है ..."

"यहाँ मेरे पिताजी के लिए. काश वो यहाँ होते."

लेकिन मैरी का अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन वो था जब पापा ने उसके सामने मेज पर एक बड़ा, भारी, अजीब आकार का पैकेज रखा. उसके अंदर क्या था मैरी उसका अनुमान नहीं लगा सकी.

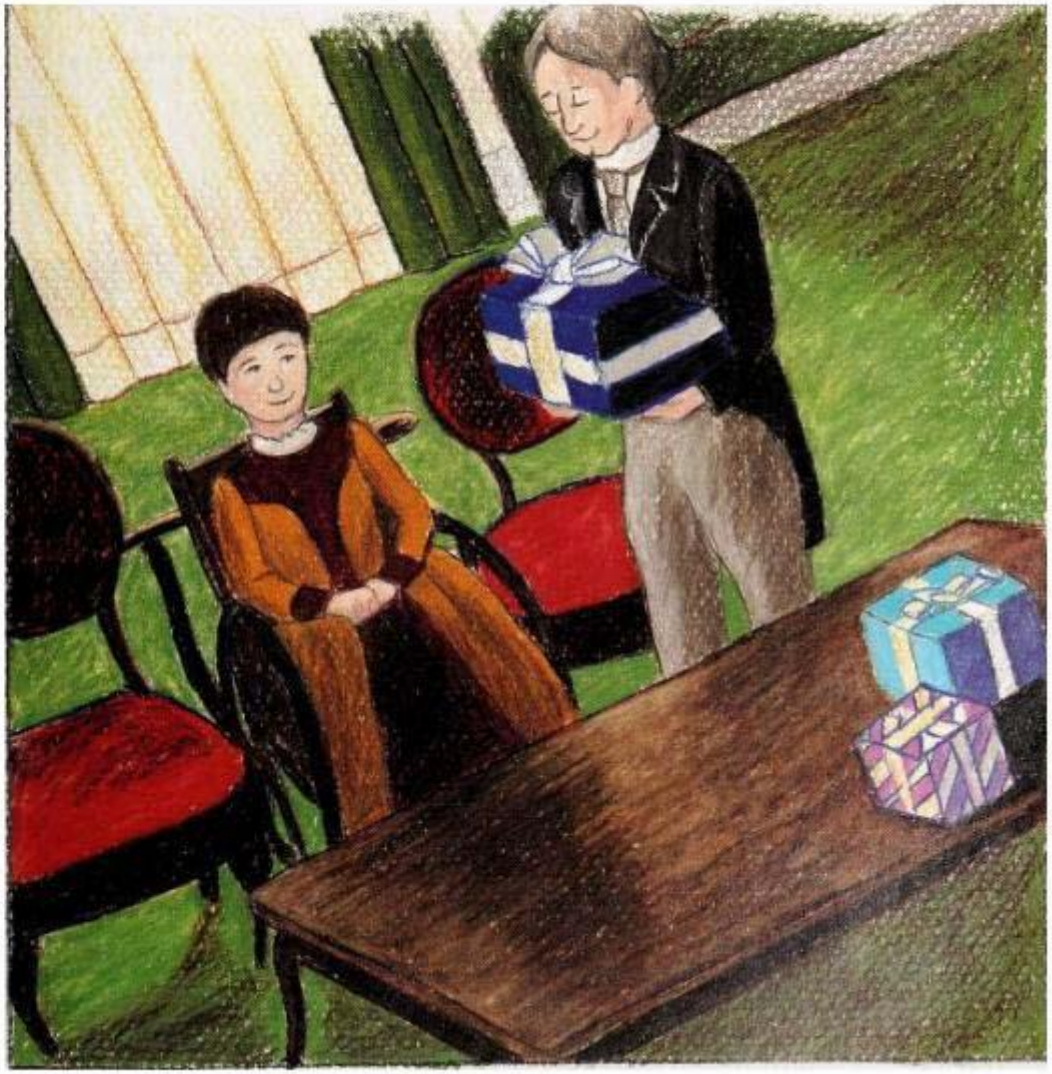

पापा और माँ ने उपहार खोलने में मैरी की मदद की, पर जब उसने उसे देखा तो भी उसे पता नहीं चला कि वो क्या था!

"एक नया आविष्कार," पापा ने समझाया. "एक टाइपराइटिंग मशीन, या टाइपराइटर. अब तुम अपने पत्र खुद अपने आप लिख सकोगी, बाबू!"

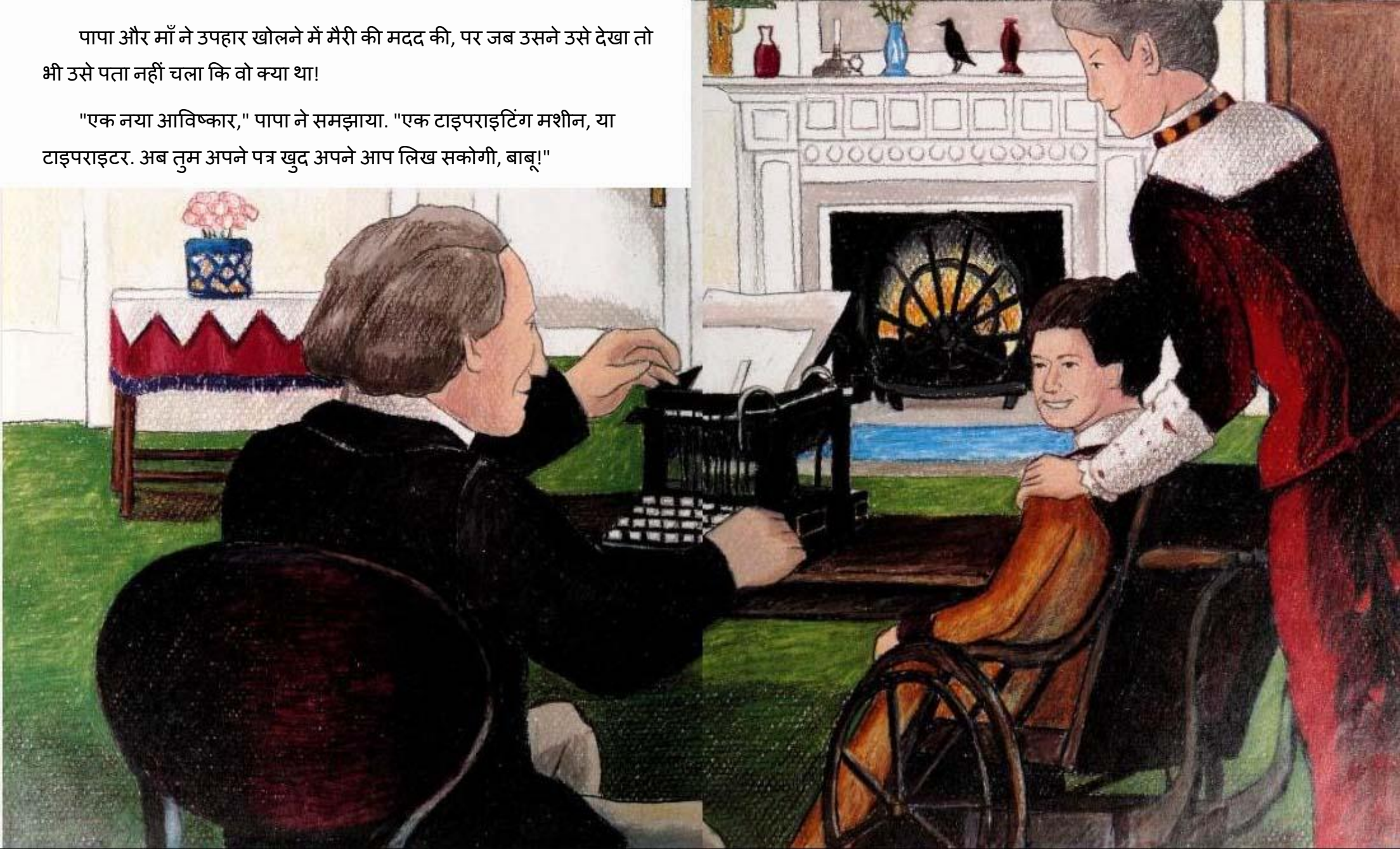

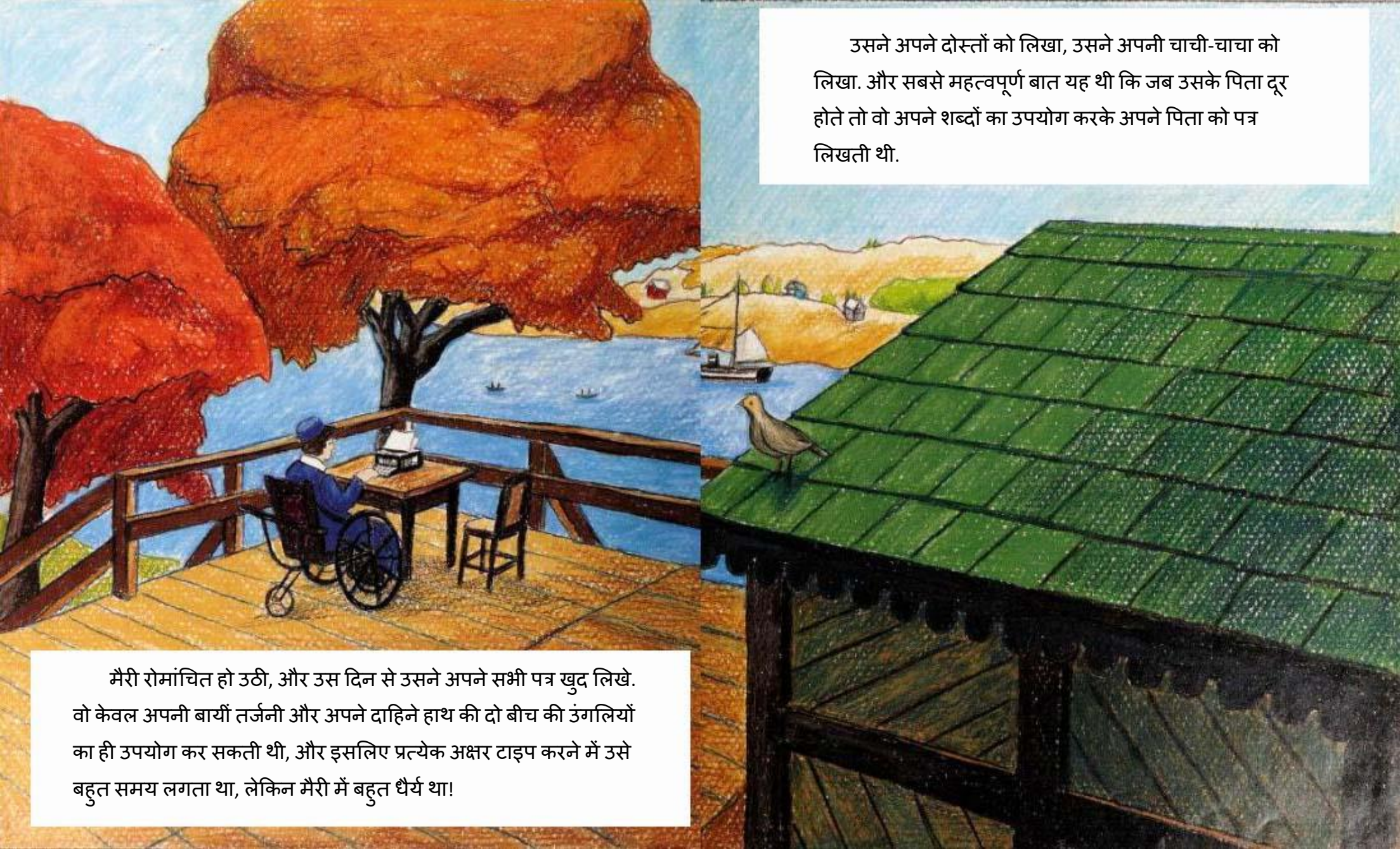

उसने अपने दोस्तों को लिखा, उसने अपनी चाची-चाचा को लिखा. और सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि जब उसके पिता दूर होते तो वो अपने शब्दों का उपयोग करके अपने पिता को पत्र लिखती थी.

मैरी रोमांचित हो उठी, और उस दिन से उसने अपने सभी पत्र खुद लिखे. वो केवल अपनी बायीं तर्जनी और अपने दाहिने हाथ की दो बीच की उंगलियों का ही उपयोग कर सकती थी, और इसलिए प्रत्येक अक्षर टाइप करने में उसे बहुत समय लगता था, लेकिन मैरी में बहुत धैर्य था!

अंत के शब्द

सर जॉन की मृत्यु के समय मैरी मार्गरेट थियोडोरा मैकडोनाल्ड बाईस वर्ष की थीं. पिता के बिना मैरी और उसकी माँ ओटावा में बहुत खोई और अकेली थीं. उन्होंने कनाडा के विभिन्न हिस्सों में रहने की कोशिश पर अंत में वे इंग्लैंड चली गईं. मैरी को लंदन से बहुत प्रेम हो गया. उसे हाइड पार्क, संग्रहालयों, एक्वेरियम और क्रिस्टल पैलेस की हलचल और उत्साह पसंद था, लेकिन सबसे अधिक उसे थिएटर से प्यार था. जब भी संभव होता वो नाटक आदि देखने जाती थी. वो अक्सर सर्दियाँ अलासियो, इटली में बिताती थी, लेकिन मैरी लंदन में सबसे खुश थी.

मैरी तब इक्यावन वर्ष की थी जब उसकी माँ का देहांत हुआ. उसने अपना शेष जीवन अपनी नौकरानी-साथी, सारा कायर के साथ बिताया. "माई कायर," मैरी, सारा को बुलाती थी, और वे दोनों बहुत अच्छी दोस्त थीं. जब सारा की शादी हुई, तो मैरी सारा और उसके पति के साथ रहने लगी.

मैरी फिर कभी कनाडा नहीं गई, लेकिन अपने प्रिय टाइपराइटर का उपयोग करके, वो अपने कई कनाडाई दोस्तों और परिवार के सदस्यों के संपर्क में रही. मैरी चौंसठ वर्ष तक जीवित रही. उन दिनों मैरी की शारीरिक अक्षमता वाले व्यक्ति के लिए यह एक असाधारण उम्र थी. निश्चित रूप से उसे जीवन भर मिले प्यार, देखभाल और प्रोत्साहन ने इसे संभव बनाने में मदद की. उसे होव, इंग्लैंड में दफनाया गया.